Government of Bihar
Election Department
Office of the Chief Electoral Officer, Bihar

7, Sardar Patel Marg (Mangles Road), Patna-800015

Phone : 0612-2217352
Fax no.: 0612-2215611
E-mail : ceo_bihar@eci.gov.in

PRESS NOTE

The Election Commission of India has a programme named ‘Systematic Voter Education and Electoral Participation’ (SVEEP) to encourage, motivate and facilitate people to increasingly participate in the democratic process of our country by enrolling their names in the voter list and exercising their voting right in the Lok Sabha, Vidhan Sabha elections. The main objective of SVEEP campaign is, enrollment of all eligible citizens in the electoral roll and cent-percent participation of all electors in the voting process. Under the SVEEP programme with the permission of Election Commission of India, a renowned personality is made STATE ICON / BRAND AMBASSADOR who appeals to the people to participate in the voting process.

The Chief Electoral Officer, Bihar is happy to announce **Miss Ratan Rajpoot**, a well known artiste as the STATE ICON for SVEEP Campaign in Bihar.

It is being seen that participation of youth is not at the desired level in the electoral enrollment and in voting.The female enrollment in electoral roll is abysmal. The Draft Electoral roll-2014 shows that there are only 848 women as against 916 women per thousand men in the census, 2011. Therefore through the appointment of Miss Ratan Rajpoot, a young female artiste and a youthful State Icon, we hope to send a message & connect with all our citizens particularly our youth & women and thereby ensure their enrollment and participation in the process of elections. This is the only way we as citizens of this great democratic country can have an effective say in the formation of our Government.

LATEST STATISTICS

- The total number of electors is 5,91,19,805 as per draft electoral roll w.r.t. 01.01.2014 as qualifying date, out of which 3,19,88,205 electors are male, 2,71,28,274 electors are female and 3,326 electors are others.
- Approximately 33 lakh applications in Form 6have been received for fresh enrollment in the electoral roll and 5.5 lakh applications in Form 7 have been received for deletion of names in the electoral roll during the current Special Summary revision, 2014.
- 98.04% electors in the electoral roll are with photographs and 96.29% electors have been issued EPICs in the draft electoral roll w.r.t. 01.01.2014 as qualifying date.
- The roll gender ratio was 848 in the Draft Electoral Roll w.r.t. 01.01.2014 as qualifying date. The projected gender ratio after Special summary revision, 2014 is 875 as per the applications received for enrollment and for deletion.
- The number of electors in 18-19 age group was 10,51,942 in the draft electoral roll w.r.t. 01.01.2014 as qualifying date, which will be about 21 lakh after Special Summary Revision, 2014. This is in consonance with the projected Census figures.

बिहारसरकार
निर्वाचनविभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7,सरदार पटेलमार्ग (मैंगल्स रोड), पटना–800015.

फोन नं0 :– 0612–2217352
फैक्स नं0 :– 0612–2215611
ई–मेल :–ceo_bihar@eci.gov.in

प्रेस नोट

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा 'सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचक जागरूकता' (SVEEP) कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचक सूची में नाम जुड़वाने, लोकसभा, विधान सभा निर्वाचन के समय मतदान केन्द्र पर जाकर अपना मतदान करने के अधिकार का प्रयोग करने के लिए लोगों को जागरूक एवं प्रेरित करने हेतु कार्य किया जा रहा है। SVEEP कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है, सभी योग्य नागरिकों का निर्वाचक सूची में निबंधन तथा सभी निर्वाचकों की मतदान में शत–प्रतिशत भागीदारी। SVEEP कार्यक्रम के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग की अनुमति से किन्हीं जाने–माने व्यक्ति को राज्य का **आइकॉन/ब्रैंड एम्बैसेडर** के रूप में चयनित किया जाता है। उनके द्वारा लोगों को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार को यह घोषणा करने में प्रसन्नता है कि **'सुश्री रतन राजपूत'**, कलाकार बिहार राज्य के स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य आइकॉन के रूप में चयनित की गयीं हैं।

यह देखा जा रहा है कि निर्वाचक सूची में निबंधन एवं मतदान प्रक्रिया में युवा वर्ग की सहभागिता आशा के अनुरूप नहीं है। महिलाओं के संदर्भ में, जनगणना, 2011 के आंकड़ों के अनुसार, पुरूष–महिला अनुपात 916 महिला प्रति हजार पुरूष है। परन्तु प्रारूप निर्वाचक सूची, 2014 में प्रति 1000 पुरूष निर्वाचकों के विरूद्ध मात्र 848 महिलाओं के ही नाम हैं।

एक युवा महिला कलाकार, सुश्री रतन राजपूत के चयन के माध्यम से संदेश देना चाहते हैं और आशा करते हैं कि हम मतदान प्रक्रिया से अपने सभी नागरिकों विशेषतया युवा वर्ग तथा महिलाओं को जोड़ पायेंगे तथा निर्वाचक सूची में उनका निबंधन और निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी को सुनिश्चित कर पायेंगे। यही एक तरीका है, जिसके माध्यम से हम अपने महान लोकतांत्रिक देश के नागरिक के रूप में, सरकार के गठन में प्रभावशाली भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

<u>अद्यतन आँकड़ें</u>

- दिनांक 01.01.2014 की अर्हता तिथि के आधार पर प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची के आधार पर बिहार राज्य की निर्वाचक सूची में निर्वाचकों की कुल संख्या 5,91,19,805 है, जिनमें 3,19,88,205 पुरूष निर्वाचक, 2,71,28,274 महिला निर्वाचक एवं अन्य निर्वाचक 3,326 हैं।
- दिनांक 01.01.2014 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, 2014 के दौरान दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में अभी तक प्ररूप 6 में निर्वाचक सूची में नाम दर्ज कराने के लिए लगभग 33 लाख आवेदन तथा प्ररूप 7 में निर्वाचक सूची से नाम विलोपित करने के लिए लगभग 5 लाख 50 हजार आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं।
- बिहार राज्य की दिनांक 01.01.2014 की अर्हता तिथि के आधार पर प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में कुल निर्वाचकों के विरूद्ध 98.04 प्रतिशत निर्वाचकों के छायाचित्र हैं तथा 96.29 प्रतिशत निर्वाचकों को मतदाता फोटो पहचान पत्र निर्गत हैं।
- दिनांक 01.01.2014 की अर्हता तिथि के आधार पर प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में लिंग अनुपात 848 था।विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, 2014 के दौरान निर्वाचक सूची में निबंधन हेतु प्राप्त आवेदनों तथा निर्वाचक सूची से नाम विलोपन हेतु प्राप्त आवेदनों की गणना के अनुसार दिनांक 06.01.2014 को अंतिम रूप से प्रकाशित निर्वाचक सूची में लिंग अनुपात 875 संभावित है।
- दिनांक 01.01.2014 की अर्हता तिथि के आधार पर प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में 18–19 आयु–वर्ग समूह के निर्वाचकों की संख्या 10,51,942 है, जो विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, 2014 के पश्चात् बढकर लगभग 21 लाख हो जायेगी, जो जनगणना के प्रक्षेपित आंकड़ों के अनुरूप है।